



लखनऊ

वर्ष: 15 | अंक: 344

मूल्य: ₹3.00/-

पेज : 12

सोमवार | 30 सितंबर, 2024

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews

janexpresslive

janexpresslive

www.janexpresslive.com/epaper

जीरो टॉलरेस नीति से अपराधियों और उनके आकाओं को ही परेशानी : सीएम

जीआईएस में मिले 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों में से 10 लाख करोड़ का शिलान्यास, 10 लाख करोड़ पाइप लाइन में

○ बेहतर भविष्य बनाने के लिए वर्तमान का सुविधित रहना आवश्यक: मुख्यमंत्री

○ गीड़ा सेक्टर 27 में पेपिको की फैंचाइजी वरुण बेवरेज की यूनिट का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

जन एक्सप्रेस | गोरखपुर



युवाओं को उद्यमी बनाने के लिए देंगे व्याजमुक्त लोन

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को उद्यमी बनाने के लिए उनकी सरकार व्याजमुक्त लोन देने जा रही है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत पहले वरण में पांच लाख रुपये तथा दूसरे वरण में दस लाख रुपये का लोन दिया जाएगा।

दुनिया में धूम मचा रहा यूपी का ऑडीओपी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक जिला एक उत्पाद (ऑडीओपी) योजना के प्रभावी होने के बाद लायों की सहाया में रोजगार सुरक्षा डूधा है। यूपी का ऑडीओपी दुनिया में धूम मचा रहा है और देश में ब्रांड बन राया है।

स्किल डेवलपमेंट के लिए भी हो रहा है कार्य

सीएम योगी ने कहा कि निवेश और रोजगार के साथ ही सरकार स्किल डेवलपमेंट के लिए भी कार्य कर रही है। इसी में गीड़ा के भारत सरकार के उद्योगों में वैतानिक विकास का कारबां आगे बढ़ रहा है। सरकार की कोशिश इंडियाँ और इंस्ट्रियूशन को जोड़कर स्किल डेवलपमेंट के लिए उत्पादन की व्यवस्था बढ़ावा देने की ओर जारी रखा जा रहा है।

निवेश से बढ़ी ऑडीओपी विकास की आस

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है और रोजगार भी आ रहा है। उन्होंने वरुण बेवरेज की गीड़ा यूनिट का उदाहरण देते हुए कहा कि यहां पूँजी तो आई ही, प्रशासन ने 48 एकड़ भूमि देकर काम आगे बढ़ाया। नीतीजा है कि आज यहां 1500 से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। इसमें से 90 प्रतिशत लोग यूपी और यूपी में 70 प्रतिशत से अधिक लोग गोरखपुर और आसपास पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि युवा पहले नौकरी के लिए बैंगनेंगु, मुंबई, लॉकलाका, इलैंडर या सिंगापुर जाने को विवाह होते थे। आज उन्हें घर पर काम हो नौकरी और रोजगार की सुविधा मिल रही है। पर, यह सुविधा अचानक नहीं आई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश से बढ़ी ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के रूप में उत्तर प्रदेश में ऑडीओपी विकास की आस भी बढ़ रही है।</p

बाइडेन ने अपनापन दिखाया, 300 कलाकृतियां लौटाईं : पीएम मोदी

* मन की बात के 10 साल पूरे होने पर कहा- कार्यक्रम मंदिर में पूजा करने जैसा

* 'मन की बात' रेडियो कार्यक्रम के श्रोता ही प्रस्तुतकर्ता हैं: पीएम

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 114वें एपिसोड में कहा- हमारी यात्रा को 10 साल हो चुके हैं। यह कार्यक्रम विजयवारी के दिन शुरू हुआ था। 10 साल पूरे होने के समय नववर्ष का प्रारंभ हो गया। मन की बात के कई पड़ाव हैं, जिनमें भूल नहीं सकता। यह कार्यक्रम मेरे लिए मंदिर में पूजा करने जैसा है। पीएम मोदी ने कहा कि हाल की अमेरिका यात्रा के लिए लेकर बहुत मैसेज मिले। हमारी प्राचीन कलाकृतियों को लेकर बहुत चर्चा हो रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनापन दिखाया। उन्होंने भारत को करीब 300 कलाकृतियों वापस लौटाई। इनमें से कुछ 4 हजार साल पुरानी हैं। मन की बात मेरे लिए ऐसी है जैसे मंदिर जाकर पूजा करना मौजिया को धन्यवाद करता हूं, क्योंकि उन्होंने इस कार्यक्रम को घर-घर पहुंचाया है। युद्धसंस्करण ने इस पक्की कार्यक्रम किया है। मुझे अच्छा लगता है जब लोग ये कहते हैं कि उन्होंने मन की बात को स्थानीय भाषा में सुना। इस यात्रा के दौरान कई ऐसे साथी हैं, जिनका निरंतर सहयोग मिलता रहा है। एक धरण ऐसी घर कर गई है, कि जब तक चटपटी

मेंक इन इंडिया के 10 साल पूरे होने पर

इस मैट्रिने एक और महत्वपूर्ण अभियान के 10 साल पूरे हुए हैं। मैं बात कर रहा हूं मेंक इन इंडिया की। आज मुझे ये देखकर बहुत खुशी मिलती है कि गरीब, मध्यम वर्ग और एप्सरेम्ह की अभियान से बहुत फायदा मिल रहा है। त्योहारों के इस मौसियों में आप फिर से अपना पुराना संकल्प भी जरूर दोहाराइए। कुछ भी खुरीदेंगे, वो मैं इन इंडिया ही होना चाहिए, कुछ भी निपट देंगे, वो भी मैं इन इंडिया ही होना चाहिए।

एक पेड़ मां के नाम अभियान पर

जब हमारे दुड़ संकल्प के साथ सामूहिक भागीदारी का संगम होता है तो पूरे समाज के लिए अद्भुत नतीजे आते हैं। इसका सबसे ताजा उदाहरण है एक पेड़ मां के नाम अभियान। ये अद्भुत अभियान रहा। पर्यावरण संरक्षण को लेकर शुरू किए गए इस अभियान में देश के कानूनों में लोगों ने कामाल कर दिखाया है। ऐसा ही उदाहरण है तेलगुना के केनन राजेश्वर का, पेड़ लगाने के लिए उनकी प्रतीकृद्धता हम सबको हैनन कर देती है। कोरोना 4 साल पहले उन्होंने शुरू कर दिखाया है। कठोर वर्ष की तरह इसका उदाहरण किया जाता है। वे आज 1000 से ज्यादा टीटी चैनल और 800 से ज्यादा रेडियो स्टेशन इस शो को टेलीकार्स्ट करते हैं।

मन की बात से जुड़े कुछ रोचक फैक्ट

मन की बात से जुड़े कुछ रोचक फैक्ट

- पहला एपिसोड टेलीकार्स्ट होने के एक हफ्ते के अंदर 125 प्रतिशत तक बढ़ गया था। पीएम ने खादी खरीदने की अपील की थी।
- 2015 में पूर्व अमेरिकी प्रधानमंत्री बराक ओबामा ने भी शो अपनी बात रखी थी।
- अप्रैल 2023 में मन की बात का 100वां एपिसोड का टेलीकार्स्ट स्यूनाइटेड नेशन हेंडकॉर्टर न्यूयॉर्क में ही हुआ था।
- 27 कोरोना लोग इलेक्ट्रोनिक मीडिया, 6 कोरोना लोग डिजिटली मन की बात को सुनते हैं। 130 से ज्यादा टीटी चैनल और 800 से ज्यादा रेडियो स्टेशन इस शो को टेलीकार्स्ट करते हैं।

22 भाषाओं में ब्रॉडकास्ट होता है मन की बात कार्यक्रम

मन की बात को 22 भारतीय भाषाओं और 29 ब्रिटिशों के अलावा 11 विदेशी भाषाओं में भी ब्रॉडकॉर्स्ट किया जाता है। इनमें फ्रेंच, चीनी, इंडोनेशियाई, बंगला, बर्मी, अंग्रेजी, पश्चूनी, कारसी, रात्रि और स्वाहाई शामिल हैं। मन की बात की ब्रॉडकास्टिंग आकाशवाणी के 500 से अधिक ब्रॉडकास्टिंग सेंटर द्वारा किया जाता है। पहले एपिसोड की टाइम लिमिट 14 मिनट थी। जून 2015 में इसे बढ़ाकर 30 मिनट कर दिया गया था।

के ज़ानी में एक ऐसी ही पहल हुई है। यह बात कर रही है कि गरीब, मध्यम वर्ग और एप्सरेम्ह की अभियान से बहुत फायदा मिल रहा है। त्योहारों के इस मौसियों में आप फिर से अपना पुराना संकल्प भी जरूर दोहाराइए। कुछ भी खुरीदेंगे, वो मैं इन इंडिया ही होना चाहिए, कुछ भी नहीं सकता। यह कार्यक्रम मेरे लिए मंदिर में पूजा करने जैसा है।

पिपट देंगे, वो भी मैं इन इंडिया ही होना चाहिए।

एक पेड़ मां के नाम अभियान पर

जब हमारे दुड़ संकल्प के साथ सामूहिक भागीदारी का संगम होता है तो पूरे समाज के लिए अद्भुत नतीजे आते हैं। इसका सबसे ताजा उदाहरण है एक पेड़ मां के नाम अभियान। ये अद्भुत अभियान रहा। पर्यावरण संरक्षण को लेकर शुरू किए गए इस अभियान में देश के कानूनों को लोगों ने कामाल कर दिखाया है। ऐसा ही उदाहरण है तेलगुना के केनन राजेश्वर का, पेड़ लगाने के लिए उनकी प्रतीकृद्धता हम सबको हैनन कर देती है। कोरोना 4 साल पहले उन्होंने शुरू कर दिखाया है। कठोर वर्ष की तरह इसका उदाहरण किया जाता है। वे आज 1000 से ज्यादा टीटी चैनल और 800 से ज्यादा रेडियो स्टेशन इस शो को टेलीकार्स्ट करते हैं।

नकारात्मक बातें न हों तब तक उसे तज़ज़ोह नहीं मिलती। मन की बात जैसे दिखाया जाता है।

ने इसे जल संविधान किया है। क्योंकि जल संविधान के लिए लोग देश के लोगों की उल्लंघनों को आग्ने से सुनते हैं। हर एपिसोड के साथ नई गांधी और जीवन की ज़ुड़ जाते हैं। हासों देश में कई लोगों को जानकारी नहीं है। ये हमारी जल संविधान के बारे में याद दिलाती है। मुझे खुशी है कि इसके कानून नियमों को जानकारी नहीं है। जब तक उसका संकल्प नहीं होता है।

नकारात्मक बातें न हों तब तक उसे तज़ज़ोह नहीं मिलती। मन की बात जैसा दिखाया जाता है।

जल संरक्षण पर

पिपले कुछ समाज से देश के अलग हिस्सों में जलसंदर्शक बारिश हो रही है। ये हमारी जल संरक्षण के लिए जल संविधान के अलग हिस्सों में जलसंदर्शक बारिश हो रही है।

एपिसोड के साथ नई गांधी और जीवन की ज़ुड़ जाते हैं। हासों देश में कई लोगों को जानकारी नहीं है। ये हमारी जल संरक्षण के बारे में याद दिलाती है। मुझे खुशी है कि इसके कानून नियमों को जानकारी नहीं है। जब तक उसका संकल्प नहीं होता है।

नकारात्मक बातें न हों तब तक उसे तज़ज़ोह नहीं मिलती। मन की बात जैसा दिखाया जाता है।

नकारात्मक बातें न हों तब तक उसे तज़ज़ोह नहीं मिलती। मन की बात जैसा दिखाया जाता है।

नकारात्मक बातें न हों तब तक उसे तज़ज़ोह नहीं मिलती। मन की बात जैसा दिखाया जाता है।

नकारात्मक बातें न हों तब तक उसे तज़ज़ोह नहीं मिलती। मन की बात जैसा दिखाया जाता है।

नकारात्मक बातें न हों तब तक उसे तज़ज़ोह नहीं मिलती। मन की बात जैसा दिखाया जाता है।

नकारात्मक बातें न हों तब तक उसे तज़ज़ोह नहीं मिलती। मन की बात जैसा दिखाया जाता है।

नकारात्मक बातें न हों तब तक उसे तज़ज़ोह नहीं मिलती। मन की बात जैसा दिखाया जाता है।

नकारात्मक बातें न हों तब तक उसे तज़ज़ोह नहीं मिलती। मन की बात जैसा दिखाया जाता है।

नकारात्मक बातें न हों तब तक उसे तज़ज़ोह नहीं मिलती। मन की बात जैसा दिखाया जाता है।

नकारात्मक बातें न हों तब तक उसे तज़ज़ोह नहीं मिलती। मन की बात जैसा दिखाया जाता है।

नकारात्मक बातें न हों तब तक उसे तज़ज़ोह नहीं मिलती। मन की बात जैसा दिखाया जाता है।

नकारात्मक बातें न हों तब तक उसे तज़ज़ोह नहीं मिलती। मन की बात जैसा दिखाया जाता है।

नकारात्मक बातें न हों तब तक उसे तज़ज़ोह नहीं मिलती। मन की बात जैसा दिखाया जाता है।

नकारात्मक बातें न हों तब तक उसे तज़ज़ोह नहीं मिलती। मन की बात जैसा दिखाया जाता है।

नकारात्मक बातें न हों तब तक उसे तज़ज़ोह नहीं मिलती। मन की बात जैसा दिखाया जाता है।

नकारात्मक बातें न हों तब तक उसे तज़ज़ोह नहीं मिलती। मन की बात जैसा दिखाया जाता है।

नकारात्मक बातें न हों तब तक उसे तज़ज़ोह नहीं मिलती। मन की बात जैसा दिखाया जाता है।

नकारात्मक बातें न हों तब तक उसे तज़ज़ोह नहीं मिलती। मन की बात जैसा दिखाया जाता है।

नकारात्मक बातें न हों तब तक उसे तज़ज़ोह नहीं मिलती। मन की बात जैसा दिखाया जाता है।

नकारात्मक बातें न हों तब तक